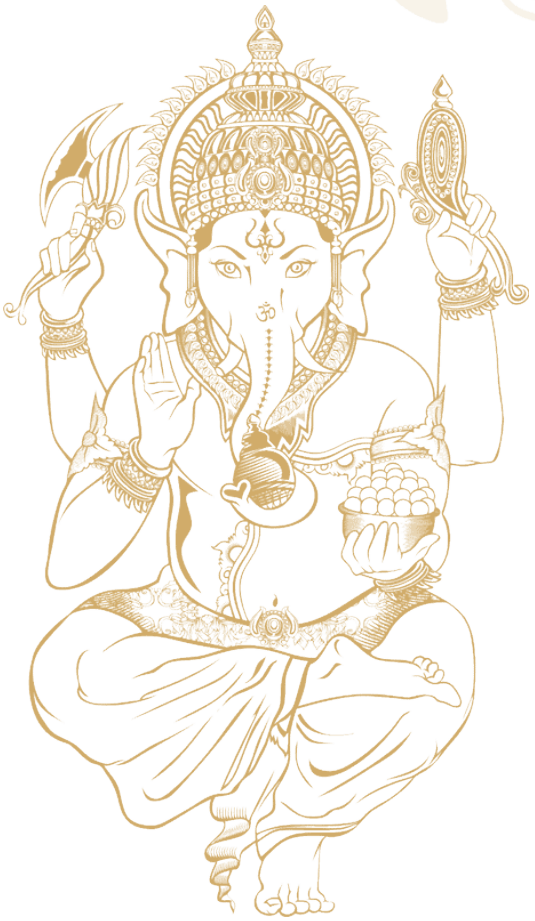

Mr.

16 Feb 2026

01:09 PM

Gurgaon

Model: web-freekundliweb

Order No: 121366511

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/02/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**13:09:00 घंटे**
इष्ट	15:23:28 घटी
स्थान	**Gurgaon**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:27:00 उत्तर
रेखांश	77:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:47:04 घंटे
वेलान्तर	-00:14:04 घंटे
साम्पातिक काल	22:32:19 घंटे
सूर्योदय	06:59:36 घंटे
सूर्यास्त	18:12:47 घंटे
दिनमान	11:13:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	03:24:41 कुम्भ
लग्न के अंश	27:59:04 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वरियान
करण	शकुनि
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खे-खेमचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	27:59:04	344:17:30	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य			कुंभ	03:24:41	01:00:36	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मक	19:13:27	12:51:27	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	सम राशि
मंगल		अ	मक	24:31:50	00:47:14	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	उच्च राशि
बुध			कुंभ	20:53:52	01:21:16	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:42:25	00:04:22	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	13:09:00	01:15:05	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
शनि			मीन	06:01:56	00:06:42	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:44:06	00:01:11	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:44:06	00:01:11	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:18:07	00:00:39	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:22:54	00:01:59	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:56:50	00:01:48	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	12:05:51	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:27

लग्न-चलित

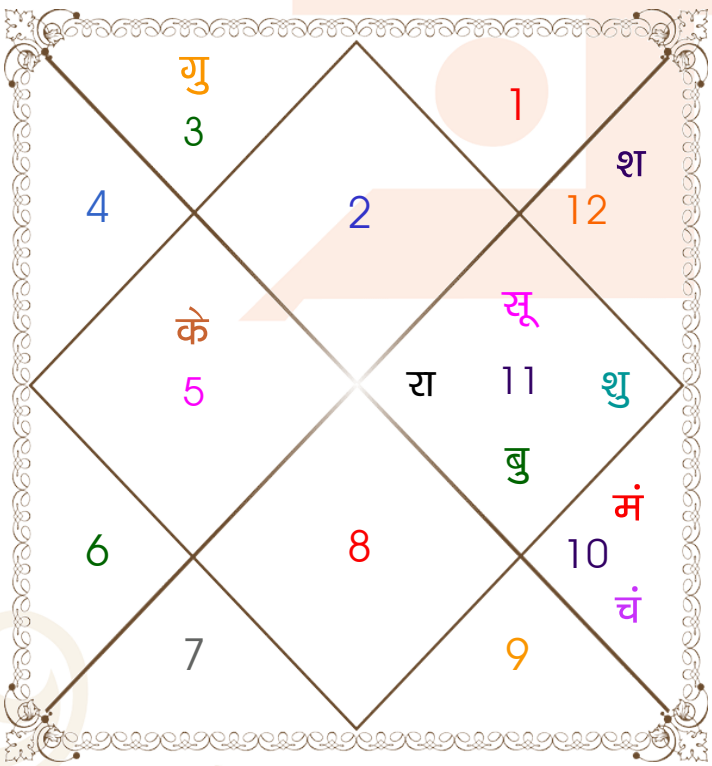

चन्द्र कुंडली

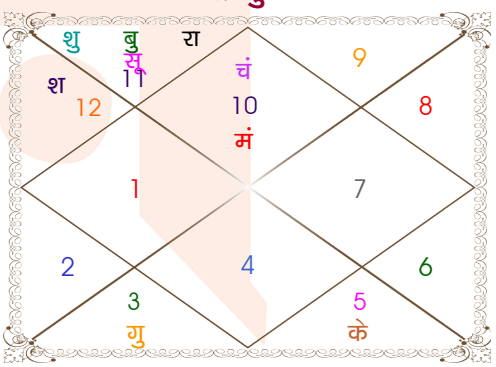

नवमांश कुंडली

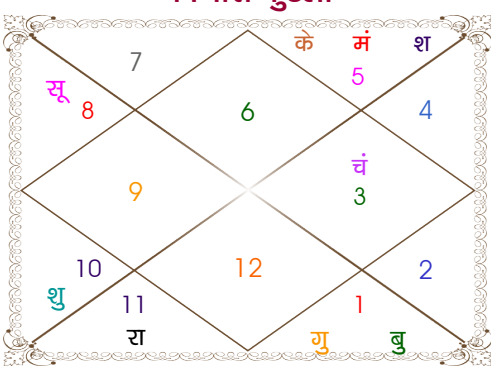

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 3 वर्ष 0 मास 29 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
16/02/2026		18/03/2029		17/03/2036		18/03/2054		18/03/2070	
18/03/2029		17/03/2036		18/03/2054		18/03/2070		18/03/2089	
	00/00/0000	मंगल	14/08/2029	राहु	29/11/2038	गुरु	05/05/2056	शनि	21/03/2073
	00/00/0000	राहु	01/09/2030	गुरु	23/04/2041	शनि	16/11/2058	बुध	29/11/2075
	00/00/0000	गुरु	08/08/2031	शनि	28/02/2044	बुध	21/02/2061	केतु	07/01/2077
	00/00/0000	शनि	16/09/2032	बुध	17/09/2046	केतु	28/01/2062	शुक्र	08/03/2080
	16/02/2026	बुध	13/09/2033	केतु	05/10/2047	शुक्र	28/09/2064	सूर्य	18/02/2081
बुध	17/06/2026	केतु	09/02/2034	शुक्र	05/10/2050	सूर्य	17/07/2065	चंद्र	20/09/2082
केतु	16/01/2027	शुक्र	12/04/2035	सूर्य	30/08/2051	चंद्र	16/11/2066	मंगल	29/10/2083
शुक्र	16/09/2028	सूर्य	17/08/2035	चंद्र	27/02/2053	मंगल	23/10/2067	राहु	04/09/2086
सूर्य	18/03/2029	चंद्र	17/03/2036	मंगल	18/03/2054	राहु	18/03/2070	गुरु	18/03/2089

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
18/03/2089		19/03/2106		19/03/2113		19/03/2133		19/03/2139	
19/03/2106		19/03/2113		19/03/2133		19/03/2139		00/00/0000	
बुध	14/08/2091	केतु	15/08/2106	शुक्र	18/07/2116	सूर्य	06/07/2133	चंद्र	18/01/2140
केतु	11/08/2092	शुक्र	15/10/2107	सूर्य	18/07/2117	चंद्र	05/01/2134	मंगल	18/08/2140
शुक्र	11/06/2095	सूर्य	20/02/2108	चंद्र	19/03/2119	मंगल	13/05/2134	राहु	17/02/2142
सूर्य	17/04/2096	चंद्र	20/09/2108	मंगल	18/05/2120	राहु	06/04/2135	गुरु	19/06/2143
चंद्र	16/09/2097	मंगल	16/02/2109	राहु	19/05/2123	गुरु	24/01/2136	शनि	17/01/2145
मंगल	14/09/2098	राहु	07/03/2110	गुरु	17/01/2126	शनि	05/01/2137	बुध	17/02/2146
राहु	03/04/2101	गुरु	11/02/2111	शनि	19/03/2129	बुध	11/11/2137		00/00/0000
गुरु	10/07/2103	शनि	22/03/2112	बुध	18/01/2132	केतु	19/03/2138		00/00/0000
शनि	19/03/2106	बुध	19/03/2113	केतु	19/03/2133	शुक्र	19/03/2139		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 3 वर्ष 0 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।